झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध) 17 / 2022 -679

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 16.8.2022

विषयः– मीड–डे–मील में प्लास्टिक का चावल मिलने की आशंका संबंधी प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण में दिनांक–27.07.2022 को "मीड–डे–मील में प्लास्टिक का चावल मिलने की आशंका से बच्चों व शिक्षको में दहशत" शीर्षक अन्तर्गत समाचार प्रकाशित हुई है। प्रकाशित समचार में राँची जिलान्तर्गत ओरमाँझी प्रखण्ड के चकला पंचायत में स्थित प्राथमिक विद्यालय, सरनाटोली में मीड–डे–मील में प्लास्टिक का चावल मिलने की आशंका का उल्लेख है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार पत्र की कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

16/8/22

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

(20)

दैनिक जागरण

दिनांक :- 27/7/2022

put up
28/7/22

620
29.07.22

एमडीएम में प्लास्टिक का चावल मिलने की आशंका से बच्चों व शिक्षकों में दहशत

जासं, रांची/ओरमांझी: स्कूली बच्चों के मध्याह्न भोजन (एमडीएम) में प्लास्टिक का चावल मिलने की आशंका से बच्चों में दहशत का माहौल बन गया। मामला राजधानी से करीब 20 किलोमीटर दूर ओरमांझी प्रखंड का है। यहां स्कूली बच्चों के मध्याह्न भोजन के चावल में प्लास्टिक का चावल मिलने से स्कूल के शिक्षकों में चिंता की लहर दौड़ गई। चकला पंचायत के नव प्राथमिक विद्यालय सरनाटोली में एमडीएम के चावल में प्लास्टिक का चावल मिलने का मामला मंगलवार को सामने आया। विद्यालय की सरस्वती वाहिनी (रसोईया) पुरनी देवी जब एमडीएम के लिए बोरा से चावल निकाला तो चावल में कुछ अलग रंग का सफेद चावल मिला। इसकी जानकारी प्राचार्या सुशीला देवी व सहायक शिक्षक सुंदरी देवी को दी। धोने के बाद सफेद चावल टूटे नहीं और हाथों में चिपक गए। वहीं सामान्य चावल टूट रहे थे। इस खबर के बाद प्राचार्या द्वारा विभाग के व्हाट्ऐप ग्रुप में इसकी जानकारी दी गई। साथ ही रसोइया के साथ शिक्षकों ने मिलकर सफेद चावल हटाकर एमडीएम बनाकर बच्चों को खाने को दी।

एमडीएम की थाली लिए स्कूली बच्चे • जागरण

- **शिक्षकों में चिंता, जांच करने पहुंचे सीआरपी, कहा फोर्टिफाइड चावल की वजह से ऐसा लग रहा है**
- **ओरमांझी प्रखंड का है मामला, जिला शिक्षा अधीक्षक ने स्कूल से पूरे मामले की मंगाई रिपोर्ट**

एमडीएम में प्लास्टिक चावल मिलने की सूचना नहीं मिली है। यदि ऐसा मामला सामने आया है तो बेशक बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। एमडीएम के लिए एफसीआई से चावल मंगाए जा रहे हैं। हालांकि इसके बाद भी जांच कराई जाएगी ताकि आगे दिनों ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न न हो।

- **कमला सिंह**, जिला शिक्षा अधीक्षक, रांची।

हरकत में आए पदाधिकारी

वहीं दूसरी ओर सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के पदाधिकारी हरकत में आ गए हैं। सूचना मिलने के बाद सीआरपी दिलीप लकड़ा विद्यालय पहुंचे। कहा कि चावल में कोई गड़बड़ी नहीं है। जबकि रसोइया का कहना है कि चावल धोने के क्रम में कई ऐसे दाने मिले जो पूरी तरह से प्लास्टिक के दाने थे।

अधिकारियों की दलील

सीआरपी ने बताया कि एमडीएम के चावल में प्रोटिन युक्त फोर्टिफाईड चावल मिला रहता है। यह जानकारी चावल के बोरा में भी लिखा रहता है। क्षेत्र के शिक्षकों को इसकी जानकारी नहीं होने के कारण ऐसी बातें सामने आ रही हैं।